हिंदी टंकण परीक्षा - जुलाई, 2015
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध
प्रश्न पत्र – प्रथम
बैच-VIII

समय : 1 घंटा 40 मिनट **पूर्णांक : 50**

1. कृपया निम्नलिखित सारणी (स्टेटमेंट) को सुंदर ढंग से टाइप कीजिए:-

विश्व कप 2015 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज
(दिनांक 24.03.2015 तक)

बल्लेबाज	देश	मैच	रन	औसत
कु0 संगाकारा	श्रीलंका	07	541	108.00
मार्टिन गुप्टिल	न्यूजीलैंड	08	532	76.00
डी विलियर्स	दक्षिण अफ्रीका	07	482	96.40
ब्रेंडन टेलर	जिंबाबवे	06	433	72.16
दिलशान	श्रीलंका	07	395	65.83
ड्यू प्लेसिस	दक्षिण अफ्रीका	07	380	63.33
शिखर धवन	भारत	07	367	52.42

2. निम्नलिखित पत्र को सही व सुंदर ढंग से टाइप करें:- (10 अंक)

सं0 19013/3(2)/आशुलिपि/2014-केहिप्रसं
भारत सरकार
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय
केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान

2-ए, पृथ्वीराज रोड,
नई दिल्ली – 110011
दिनांक 03.02.2015

सेवा में,

उप कमांडेंट/प्रशिक्षण
मुख्यालय 84वीं वाहिनी,
सीमा सुरक्षा बल, बेंगलुरु,
कर्नाटक- 562110

विषय:-**हिंदी आशुलिपि अल्पकालिक (गहन) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम - सत्र दिनांक 19.8.2015 से 12.12.2015 तक।**

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक दिनांक 23.01.2015 के अपने कार्यालय के पत्र सं0 84/बटा/सीसुबल/2014/251-54 का अवलोकन करने का कष्ट करें।

2. इस संबंध में सूचित करना है कि आशुलिपि कक्षा में आशुलिपिक को प्राथमिकता दी जाती है। कक्षा में स्थान रिक्त होने पर उन लिपिकों को भी प्रवेश दिया जाता है जो हिंदी शिक्षण योजना की टंकण परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हों, साथ ही उनका कार्यालय यह प्रमाण-पत्र दे कि उनका यह प्रशिक्षण जनहित में है। आपके कार्यालय ने यह सूचना अभी तक नहीं दी है कि संबंधित कर्मचारी हिंदी शब्द संसाधन/हिंदी टंकण परीक्षा उत्तीर्ण है तथा उनका प्रशिक्षण जनहित में है। कृपया यह सूचना तत्काल भिजवाएं जिससे कक्षा में स्थान रिक्त होने पर आपके द्वारा नामित श्री क.ख.ग., मु. आरक्षक के नामांकन पर विचार किया जा सके।

भवदीय,

(क0ख0ग0)
सहायक निदेशक

3. निम्नलिखित हस्तलेख को इसमें किए गए संशोधन, परिवर्धन आदि का समावेश करते हुए ठीक प्रकार से टाइप कीजिए :- (20 अंक)

Ctr. spaced heading ← सफलता का रहस्य

In words — कार्ली टैकास (1) समय हंगरी का सर्वश्रेष्ठ

lc — निशानेबाज था। उस/का सपना ओलंपिक विजेता

/वर्ष — बनने का था। उसे/ 1948 में होने वाले ओलंपिक

/(1) — खेलों के लिए चुन लिया गया/ दुर्भाग्यवश एक

Stet — मोटर दुर्घटना में कार्ली अपना दाहिना हाथ खो बैठा।

/ h — उसने हिम्मत से काम लिया और दिन/रात बाएं

हाथ से निशानेबाजी का अभ्यास करता रहा। वह

/शामिल — लंदन में ओलंपिक खेलों में सम्मिलित हुआ। जब

trs. — लोगों को यह (चला/पता) कि निशानेबाजी में प्रथम

/भी — आए खिलाड़ी का (बायां) दायां हाथ नहीं है तो उनके

/N.P. — आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। [दर्शक इस ओलंपिक

Trs. — विजेता अद्भुत खिलाड़ी को देखने के उमड़ पड़े लिए।
(2 3 1)

कार्ली टैकास ने यह साबित कर दिया कि यदि

Stet — सच्ची लगन हो तो कोई भी बाधा उसे सफलता हासिल

करने से नहीं रोक सकती।

(मैनुअल/कम्प्यूटर)

हिंदी टंकण परीक्षा – जुलाई, 2015

भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग

हिंदी शिक्षण योजना (परीक्षा स्कंध)

प्रश्न – पत्र – द्वितीय

बैच-VIII

समय : 10 मिनट पूर्णांक : 50

विज्ञान का अर्थ है - विशेष ज्ञान। प्रकृति ने मनुष्य को बुद्धि देकर अन्य पशुओं से 95
भिन्न बनाया है। उस बुद्धि का प्रयोग कर वह नित्य नए आविष्कार करता है और 177
विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता जाता है। किसी देश की वैज्ञानिक उपलब्धियां 261
उसकी प्रगति का मानदंड बन गई हैं। यही कारण है कि आज के युग को विज्ञान का युग 344
कहते हैं। मनुष्य के जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान का प्रभाव है। सुबह जागने से लेकर 437
रात को सोने तक हम किसी न किसी वैज्ञानिक सुविधा का लाभ उठाते हैं। प्राचीन काल 522
से ही विज्ञान का संबंध मानव जीवन से रहा है, किंतु आधुनिक युग में विज्ञान की प्रगति 607
देखकर दांतों तले उंगली दबानी पड़ती है। यातायात के तीव्रगामी साधनों ने विश्व को 692
छोटा कर दिया है। संचार के साधनों में ऐसी खोजें हुई हैं जिनकी कल्पना करना भी 783
कठिन था। हम घर बैठे न केवल किसी से तुरंत बातें कर सकते हैं बल्कि उसका चित्र भी 874
देख सकते हैं। इंटरनेट, ई-मेल आदि का अपना ही आनंद है। आज हर ओर विज्ञान का 961
बोलबाला है। मनोरंजन का क्षेत्र भी उससे अछूता नहीं रहा। रेडियो-टेलीविज़न अब पिछले 1054
ज़माने की वस्तुएं बनती जा रही हैं। वीडियो, कंप्यूटर ने मनोरंजन के नए-नए तरीके दिए 1140
हैं। सूचना के क्षेत्र में क्रांति हो रही है। संचार उपग्रहों के माध्यम से विश्व का कोई भी 1236
कोना कैमरे की आंख के लिए अदृश्य नहीं है। 1282

जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं - भोजन, वस्त्र, आवास, बिजली, पानी आदि 1358
की पूर्ति के मूल में विज्ञान का बहुत बड़ा हाथ है। कृषि उत्पादन में वृद्धि में विभिन्न 1457
प्रकार के औजार, खाद उर्वरक और बीजों के नए-नए रूप विज्ञान के कारण ही संभव हो 1546
सके हैं। सिंचाई के साधनों - नहर, ट्यूबवेल, पंपिंग सेट आदि विज्ञान की ही देन हैं। 1637
हरित क्रांति भी विज्ञान के कारण ही संभव हो सकी है, जिसके परिणामस्वरूप आज बंजर 1725
धरती भी हरी-भरी होकर लहलहाने लगी है। वैज्ञानिक साधनों के प्रयोग से हमारा देश 1818
अन्न की दृष्टि से न केवल आत्मनिर्भर हो गया है, अपितु चावल, गेहूँ आदि का निर्यात 1908
भी करने लगा है। औद्योगिक विकास का आधार भी विज्ञान है। हजारों श्रमिकों का कार्य 2003
अब मशीनें सरलता से और बहुत कम समय में पूरा कर देती हैं। विज्ञान की सहायता से 2085

ही गगनचुंबी भवनों, बाँधों, पुलों आदि का निर्माण हो रहा हैं। बिजली का उत्पादन हो रहा है और बिजली की सहायता से ही कल-कारखाने चल रहे हैं। 2184 2243

विज्ञान की सहायता से आज जन साधारण को भी चिकित्सा की सभी सुविधाएँ प्राप्त हो सकी हैं। विगत वर्षों में ही चिकित्सा की इस सुविधा से हमारे देश की मृत्यु दर घट गई है और औसत आयु भी बढ़ी है। निस्संदेह मानव-जीवन को नीरोगी एवं सुखी बनाने में विज्ञान का महान योगदान है। असाध्य समझे जान वाले रोग भी अब साध्य होते जा रहे हैं। मनुष्य के भयानक रोगों का उपचार बड़ी सरलता से हो रहा है। बीमारियों का पता लगाने के लिए आधुनिक सूक्ष्म एवं शक्तिशाली मशीनों का आविष्कार हो गया है। यह विज्ञान का ही चमत्कार ही है कि प्राचीन काल में जो सुख-सुविधाएँ राजा-महाराजाओं के लिए भी कल्पना की वस्तुएँ थी वे आज सामान्य मानव के लिए सहज सुलभ हैं। विज्ञान और मनुष्य का संबंध केवल उपकरणों, आविष्कारों तक ही सीमित नहीं है अपितु विज्ञान ने मनुष्य की विचारधारा भी बदली है। 2324 2418 2516 2594 2689 2773 2858 2939 3031 3089

हिंदी आशुलिपि परीक्षा–जुलाई, 2015
भारत सरकार, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग
हिंदी शिक्षण योजना, परीक्षा स्कंध
प्रश्न पत्र–प्रथम
बैच–III

डिक्टेशन समय : 5 मिनट
लिप्यंतरण समय : 50 मिनट

पूर्णांक : 100
(गति : 80 श.प्र.मि.)

माननीय सभापति महोदय, पिछले कई दिनों से विधान सभा में इस प्रदेश के किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा चल / रही है। मैं भी इस चर्चा में शामिल होते हुए किसानों की समस्याओं पर अपने कुछ विचार रखना चाहता हूँ। // इसी वर्ष मार्च के महीने में बिना मौसम के हुई वर्षा के कारण उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों के किसानों /// की फसलें बर्बाद हो गई थीं।
1 किसानों ने जितना बीज खेत में बोया था, उतनी भी फसल नहीं बची थी। (X) किसानों की हालत बहुत गंभीर थी। कई किसानों ने आत्म-हत्या तक कर ली थी। खेतों में उनकी बर्बाद / हुई फसलों की हालत देखकर बड़े से बड़े जीवट वाले व्यक्ति की भी आँखें नम हो जाती थीं। मुझे आशा // थी कि सरकार उन किसानों की सहायता के लिए कोई उचित कदम उठाएगी, परंतु मुझे खेद के साथ कहना पड़ /// रहा है कि सरकार ने ऐसा कुछ नहीं किया। किसानों को उनकी
2 हालत पर रोने के लिए तब भी (X) छोड़ दिया गया था और अब भी छोड़ दिया गया है। मुझे तो ऐसा लगने लगा है कि सरकार को / किसानों की कोई चिंता ही नहीं है। यदि सरकार को उनकी चिंता होती तो माननीय वित्त मंत्री जी उन // के कल्याण के लिए सदन में कोई योजना पेश करते, कोई राहत पैकेज की घोषणा करते या कोई बिल लाने /// की बात करते।

3 महोदय, यह जो बजट पेश किया गया है, उसके बारे में मैं यह कहना चाहता हूँ (X) कि यह बजट इस प्रदेश के गरीबों की जरूरतों को पूरा करता हुआ नहीं दीख रहा है। मैं आपके / माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ कि उन्होंने बजट में घाटे का // उल्लेख तो किया है, परंतु उसे पूरा करने के किसी उपाय का जिक्र नहीं किया है। अपने बजट भाषण के /// दौरान वित्त मंत्री जी ने यह घोषणा की है कि जिस तरह
4 उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन के क्षेत्र में प्रगति (X) कर रहा है, उससे लगता है कि आने वाले समय में हमारा प्रदेश अनाज के उत्पादन में भारत के / अन्य राज्यों को पीछे छोड़ देगा। यह गर्व की बात है। वित्त मंत्री जी मैं पुनः आपका ध्यान उन // किसानों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ जो अपनी बर्बाद हुई फसलों के कारण कर्ज में डूबे हैं। उन किसानों /// की ओर आपको और
5 सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि उनके चेहरे पर भी खुशियाँ लौट सकें। (X)

हिंदी आशुलिपि परीक्षा – जुलाई, 2015

परीक्षा स्कंध, हिंदी शिक्षण योजना

(राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय,)

प्रश्न पत्र – II

बैच–III

डिक्टेशन समय : 5 मिनट
लिप्यंतरण समय : 50 मिनट

पूर्णांक : 100
(गति 100 श.प्र.मि.)

उपाध्यक्ष महोदय, इस सदन के समक्ष, जो विधेयक प्रस्तुत किया गया है, उसका मैं पूर्ण समर्थन करता हूँ तथा शिक्षा मंत्रालय की मांगों के / संबंध में बोलने के लिये ही मैं खड़ा हुआ हूँ और बजट पर जो चर्चा चल रही है उसमें भाग लेते हुए मैं भी // अपने विचार सदन के सामने प्रस्तुत करना चाहता हूँ। इसपर विचार करते समय दो स्थितियों को हमें दृष्टि में रखना होगा। एक दृष्टि यह /// है कि किस हालत से आज हमारा देश गुजर रहा है, उसमें हमें क्या करना है
1 और दूसरी दृष्टि यह है कि भविष्य में X देश को किस दिशा में हम ले जाना चाहते हैं। जब तक इन दोनों दृष्टिकोणों को सामने रखते हुए इस बजट को नहीं जांचेंगे, / तब तक हम यह निर्णय नहीं कर पायेंगे कि यह जो बजट हमारे सामने रखा गया है वह देश की दृष्टि से उचित बजट है // या नहीं।

महोदय, शिक्षा की पद्धति के बारे में, उसमें परिवर्तन लाने के बारे में तथा इस क्षेत्र में हमें जो असफलता लगी है, /// उसके बारे में अभी मेरे मित्र ने बहुत कुछ कहा है। दुर्भाग्य की
2 बात यह है कि देश में सभी लोग यह मानते हैं X कि शिक्षा के क्षेत्र में जो प्रगति वास्तव में होनी चाहिए थी, वह प्रगति नहीं हुई है, शिक्षा के क्षेत्र में कोई खास परिवर्तन नहीं / हुए हैं, फिर भी इस दिशा में कुछ नहीं किया गया है। ऐसा लगता है कि इस विषय में कुछ भी सही कदम हमारी सरकार // ने नहीं उठाये हैं। इस विषय पर और अधिक न कह कर मैं आज के दिन शिक्षा मंत्रालय का ध्यान दो खास विषयों की तरफ /// दिलाना चाहता हूँ। पहली बात तो मैं हिंदी के बारे
3 में कहना चाहता हूँ। शिक्षा मंत्रालय का काम हिंदी का प्रसार और प्रचार करना है।X हिंदी हमारे देश की राष्ट्र भाषा है। संविधान ने उसको राष्ट्रभाषा का स्थान दिया है। लेकिन हिंदी को वह स्थान आज तक भी / प्राप्त नहीं हुआ है। इसके कई कारण हो सकते हैं। एक कारण हिंदी प्रेमियों का अधिक उत्साह हो सकता है। दूसरा दलगत राजनीति // से प्रभावित होकर राजनेताओं का भाषा के बारे में अपनाया गया रुख हो सकता है।

4 महोदय, देश में शिक्षा प्राप्त करने की इच्छा /// बहुत अधिक है, जो शहरों तक ही सीमित न रह कर ग्रामीण जनता में भी दिखाई दे रही है। पर उसका एक फल यह X भी देखने में आ रहा है कि इतने लोग इन संस्थाओं से उत्तीर्ण होकर अपने आपको एक प्रकार से बेकार पा रहे हैं।/ सरकारी नौकरियाँ अथवा दूसरे प्रकार के काम, जो शिक्षित वर्ग को मिल सकते हैं, बहुत ही सीमित हैं और जितने लोग उत्तीर्ण होते हैं उनमें // से थोड़े ही लोग उनमें लग सकते हैं या लगने की योग्यता रखते हैं। परिणाम यह हुआ है कि बेकारी बढ़ी और उसके /// फलस्वरूप जीवन के प्रति असंतोष की भावना को बल मिला। इसलिये इसपर विचार करें कि जो शिक्षा पद्धति आज चल
5 रही है, X वह कहां तक लाभदायक है।